लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1275

01 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण

1275. श्री रायपति सम्बासिवा राव:
डॉ. बंशीलाल महतो:
श्री टी. जी. वेंकटेश बाबू:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार देश के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों का विस्तार और आधुनिकीकरण करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान इस प्रयोजनार्थ आवंटित और खर्च की गई निधियां, संयंत्र-वार कितनी हैं; और

(ग) सरकार द्वारा उक्त संयंत्रों के विस्तार और आधुनिकीकरण में तेजी लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) और (ख): स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने अपनी क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता को वर्तमान चरण में क्रमश: 12.84 एमटीपीए से बढ़ाकर 21.40 एमटीपीए करने और 3.0 एमटीपीए से बढ़ाकर 6.3 एमटीपीए करने के लिए (सेल के भिलाई, बोकारो, दुर्गापुर, राउरकेला, आईएसपी बर्नपुर तथा सेलम स्थित विशेष स्टील संयंत्र में और आरआईएनएल के विजॉग इस्पात संयंत्र में) आधुनिकीकरण और विस्तार योजना प्रारंभ की है। सेल का प्रथम चरण का संकेतात्मक निवेश 61870 करोड़ रूपए है। इसके अतिरिक्त, रॉ मेटिरियल डिवीजन (आरएमडी) के तहत विद्यमान खानों और रावघाट के खान के विकास में निवेश के लिए 10264 करोड़ रूपए का एक प्रावधान किया गया है।

आरआईएनएल ने अद्यतन पर्यावरण मानदण्डों को पूरा करने, अद्यतन प्रौद्योगिकी को अपनाने, ऊर्जा संरक्षण, उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी करने और इसके साथ ही दो से ज्यादा दशकों से परिचालित मुख्य उपस्करों की अच्छी स्थिति बनाए रखने के लिए लगभग 2410 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्ट शॉप कनवर्टर्स और सिंटर प्लॉट जैसी मुख्य प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण का कार्य शुरू किया है ।

इस उद्देश्य हेतु पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष में आवंटित निधि तथा सेल और आरआईएनएल द्वारा इसके व्यय का ब्यौरा निम्नवत है:-

(करोड़ रूपये में)

इस्पात संयंत्र	**2011-12**		**2012-13**		**2013-14**		**2014-15 (अप्रैल-अक्तू.14)**	
सेल	आवंटन	उपयोग	आवंटन	उपयोग	आवंटन	उपयोग	संशोधित अनुमान	उपयोग
भिलाई	3335	2864	3700	3546	4460	4002	2017	1043
दुर्गापुर	547	533	805	771	675	631	414	235
राउरकेला	3270	2845	3050	2204	2048	1862	1600	710
बोकारो	1220	913	1400	907	1020	1149	534	282
आईएसपी	2140	2487	1700	1396	1432	1310	1180	702
अन्य	366	418	75	169	125	203	22	12
कुल	10878	10060	10730	8993	9760	9157	5767	2984
आरआई एनएल	1965	1896.47	1260	1287.43	1500	1512.15	1535	746.50

(ग) : इस संबंध में अनेक कदम उठाए गए हैं जैसे परियोजना मैन्युअल्स की समीक्षा करना और उन्हें अद्यतन करना, शीघ्र निर्णय हेतु विभिन्न स्तर पर अधिकार प्रत्यायोजन को बढ़ाना, एकीकृत परियोजना प्रबंधन प्रणाली का क्रियान्वयन करना, नए/अनुभवी परियोजना प्रबंधकों की भर्ती/ पुन: तैनाती के द्वारा परियोजना प्रबंधन संगठन को मजबूत करना, विस्तार योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु बोर्ड उप समिति (बीएससी) का गठन करना । शुरू किए गए अन्य उपायों में समीक्षा बैठकों, परियोजना प्रमुखों की बैठक के दौरान विभिन्न संयंत्रों की समस्याओं पर विचार-विमर्श और इनकी साझेदारी के लिए वीडियो कानफ्रेंसिंग का विस्तृत प्रयोग, संयंत्रों में परियोजना नियंत्रण कक्षों की स्थापना, इस्पात, पाइपों और अन्य सेल उत्पादों की आपूर्ति के लिए ठेकेदारों को सहायता, फेब्रिकेटिंग स्ट्रक्चर्स और परिवहन में विलम्ब को कम करने में ठेकेदारों की सुविधा के लिए संयंत्र के भीतर/बाहर फेब्रिकेशन यार्ड हेतु स्थान की व्यवस्था शामिल है । इस्पात मंत्री और सचिव स्तर पर संयंत्रों के आधुनिकीकरण और विस्तार की प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है ।

***